

सम्पादकीय



परमाणु ऊर्जा की संभावनाएँ और चुनौतियाँ

वर्तमान युग विज्ञान और तकनीक का युग है। आज ऊर्जा मानव जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक बन गई है। उद्योगों, कृषि, परिवहन, चिकित्सा तथा घरेलू कार्यों में ऊर्जा का व्यापक उपयोग होता है। बढ़ती जनसंख्या और औद्योगीकरण के कारण ऊर्जा की माँग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में परमाणु ऊर्जा एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में उभरकर सामने आई है।

परमाणु ऊर्जा आधुनिक विज्ञान की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके माध्यम से बहुत कम मात्रा में ईंधन से बड़ी मात्रा में बिजली उत्पन्न की जा सकती है। इससे कोयले और पेट्रोलियम जैसे पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने में सहायता मिलती है। परमाणु ऊर्जा संयंत्र बिजली उत्पादन के दौरान बहुत कम प्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन करते हैं। इस कारण यह जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने में भी सहायक हो सकती है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए परमाणु ऊर्जा आर्थिक विकास और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से विशेष महत्व रखती है।

हालाँकि, परमाणु ऊर्जा के अनेक लाभों के साथ कुछ गंभीर खतरे भी जुड़े हुए हैं। परमाणु संयंत्रों में दुर्घटना होने पर मानव जीवन, पर्यावरण और जीव-जंतुओं को भारी नुकसान पहुँच सकता है। इसके अतिरिक्त, परमाणु कचरे का सुरक्षित निपटान एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि रेडियोधर्मी पदार्थ लंबे समय तक हानिकारक बने रह सकते हैं। परमाणु तकनीक का दुरुपयोग विनाशकारी हथियार बनाने के लिए भी किया जा सकता है। इसलिए इसके उपयोग में अत्यधिक सावधानी और जिम्मेदारी आवश्यक है।

भारत में ऊर्जा की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए परमाणु ऊर्जा का विकास महत्वपूर्ण है। लेकिन इसके साथ ही सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्रोतों को भी बढ़ावा देना चाहिए। परमाणु संयंत्रों में कठोर सुरक्षा मानकों का पालन, वैज्ञानिक अनुसंधान और रेडियोधर्मी कचरे का उचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। सरकार को जनहित और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

निष्कर्षतः, परमाणु ऊर्जा मानवता के लिए वरदान भी बन सकती है और अभिशाप भी। यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि इसका उपयोग किस उद्देश्य और किस प्रकार किया जाता है। यदि वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सुरक्षित तकनीक और जिम्मेदार नीतियों के साथ इसका उपयोग किया जाए, तो परमाणु ऊर्जा देश की प्रगति, आर्थिक विकास और ऊर्जा आत्मनिर्भरता में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

सुभाष चंद्र बोस की सशस्त्र रणनीति, यदि परिस्थितियाँ साध देतीं तो 1947 से पहले मिल सकती थी आजादी

सुरेश सिंह बैस ‘शाश्वत’

भारत के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास अनेक धाराओं, विचारों और संघर्ष-पड़कियों का इतिहास है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसक जनआंदोलन ने जहां ब्रिटिश शासन की नींव को व्यापक जनप्रतिरोध से हिलाया, वहीं नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से अंग्रेजीय सत्ता को भारत से बाहर करने का एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत किया। इसी संघर्ष की राजनीतिक परिणति के रूप में 21 अक्टूबर 1943 को सिंगापुर में आजाद हिंद की अस्थायी सरकार अर्थात ‘प्रोविजनल गवर्नमेंट ऑफ फ्री इंडिया’ की स्थापना हुई। यह दिन भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक (तत्कालीन बंगाल प्रेसीडेंसी) में हुआ था।

उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद इंग्लैंड में भारतीय सिविल सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन ब्रिटिश शासन की नौकरी को स्वीकार करने के बजाय देश की स्वतंत्रता को अपना जीवन-लक्ष्य बनाया और 1921 में इस्तीफा दे दिया। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में तेजी से उभरे और 1938 में हरिपुरा तथा 1939 में त्रिपुरी अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष निर्वाचित हुए। कांग्रेस के भीतर स्वतंत्रता प्राप्ति के उपायों और भविष्य की राजनीतिक दिशा को लेकर बोस के विचार अधिक उग्र और निर्णायक थे। 1939 में कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटने के बाद उन्होंने फोर्बर्ड ब्लॉक का गठन किया। ब्रिटिश सरकार ने उन्हें गिरफ्तार और नजरबंद किया। जनवरी 1941 में वे नजरबंदी से निकलकर गुप्त रूप से भारत से बाहर पहुंचे और अंततः जर्मनी गए।

बाद में जर्मन पनडुब्बी से हिंद महासागर की जोखिमपूर्ण यात्रा करते हुए वे जापानी क्षेत्र में पहुंचे और 1943 में दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व संभाला। आजाद हिंद फौज की प्रुष्टभूमि...यह तथ्य विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है कि आजाद हिंद फौज का प्रारंभिक गठन सुभाष चंद्र बोस के आने से पहले हो चुका था। फरवरी 1942 में सिंगापुर के पतन के बाद बड़ी संख्या में भारतीय सैनिक जापानियों के युद्धबंद बने। इन्हीं भारतीय युद्धबंदियों में से कैप्टन मोहन सिंह के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय सेना के गठन की प्रक्रिया शुरू हुई। रास बिहारी बोस ने भी दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को संगठित करने और इंडियन इंडेपेंडेंस लीग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि जापानी सैन्य नेतृत्व और मोहन सिंह के बीच मतभेदों के कारण पहली INA व्यवस्था 1942 के अंत तक संभट में पड़ गई। ऐसे समय में सुभाष चंद्र बोस का दक्षिण-पूर्व एशिया पहुंचना निर्णायक साबित हुआ।

उन्होंने बिखरी हुई सैन्य शक्ति को नया नेतृत्व, राजनीतिक उद्देश्य और राष्ट्रीय प्रतीक दिए। उनके नेतृत्व में INA को व्यापक रूप से आजाद हिंद फौज के नाम से पहचान मिली। नेताजी का विश्वास था कि ब्रिटेन के विरुद्ध चल रहे द्वितीय विश्वयुद्ध की परिस्थितियों का लाभ उठाकर भारत की स्वतंत्रता के लिए निर्णायक सैन्य संघर्ष किया जा सकता है। उनका प्रसिद्ध आह्वान- ‘तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा’ - भारतीयों में असाधारण उत्साह पैदा करने वाला संदेश बन गया। 21 अक्टूबर 1943 को बनी आजाद हिंद सरकार। 21 अक्टूबर 1943 को सिंगापुर के कैथे धवन में सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद की अस्थायी सरकार की स्थापना की घोषणा की। बोस स्वयं इस सरकार के राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री तथा युद्ध और विदेश मामलों के प्रमुख बने।

इसका उद्देश्य ब्रिटिश शासन को हटाकर स्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय सरकार की स्थापना करना था। इस सरकार को उस समय जापान सहित धुरी राष्ट्रों से जुड़े कई देशों ने मान्यता दी। उपलब्ध ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार इसे नौ सरकारों ने मान्यता दी थी। यह मान्यता व्यावहारिक रूप से सीमित थी, क्योंकि उस समय भारत का अधिकांश भूभाग ब्रिटिश शासन के नियंत्रण में था, फिर भी भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के लिए यह एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक और राजनीतिक उपलब्धि थी। आजाद हिंद सरकार केवल प्रतीकात्मक घोषणा तक सीमित नहीं थी। उसके पास प्रशासनिक विभाग, मुद्रा, डाक टिकट और सैन्य संगठन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं की पकड़ल्पना थी। दिसंबर 1943 में नेताजी ने अंडमान और निकोबार द्वीपों का दौरा किया और उन्हें क्रमशः ‘शहीद’ तथा ‘स्वराज’ द्वीप नाम दिया। महिलाओं की भी थी निर्णायक भागीदारी...सुभाष चंद्र बोस का राष्ट्राव्द महिलाओं की भागीदारी के बिना अधूरा था। आजाद हिंद फौज में रानी झांसी रेजिमेंट का गठन किया गया, जिसका नेतृत्व कैप्टन लक्ष्मी सहायल ने किया। इस महिला सैन्य इकाई ने यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता का संघर्ष केवल पुरुषों का दायित्व नहीं, बल्कि भारतीय महिलाओं की भी समान भागीदारी का अभियान है।

सौरभ वाष्णेय

मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि सपनों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहां हर दिन लाखों लोग बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। मायानागरी की चमक-दमक, फिल्मी सितारों की लोकप्रियता, उद्योग व्यापार की रफ्तार और चौबीसों घंटे सक्रिय रहने वाली जिंदगी मुंबई की पहचान है। लेकिन जब इसी महानगर में सरेआम गोलीबारी की घटनाएँ सामने आती हैं, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है। क्या मुंबई में खोफ फिर लौट आया है? क्या कभी संगठित अपराध और अंडरवर्ल्ड की दहशत के लिए चर्चा में रहने वाला यह शहर एक बार फिर असुरक्षा के साये में जाने लगा है? अभिनेता टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर जुड़ू के पुष्पा पार्क इलाके के पास कथित गोलीबारी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा की हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बाइक सवार तीन लोग वहां पहुंचे और अचानक टाइगर श्रॉफ की गाड़ी पर गोालियाँ चलाने लगे। इस घटना में अभिनेता के सुरक्षित होने की बात सामने आई है, जबकि उनके ड्राइवर और पास में मौजूद एक ऑटो-रिक्शा चालक के घायल होने की सूचना है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है।यदि घटना से जुड़ी ये जानकारीयाँ जांच में पुष्ट होती हैं, तो यह केवल किसी फिल्मी सितारे की सुरक्षा का मामला नहीं रह जाता। यह उस आम नागरिक की सुरक्षा का भी प्रश्न बन जाता है, जो रोजी-रोटी कमाने के लिए सड़क पर निकलता है, ऑटो चलाता है, टैक्सी में सफर करता है या अपने काम से घर लौट रहा होता है।

किसी चर्चित अभिनेता की गाड़ी पर गोलीबारी होने से खबर सुर्खियों में आना स्वाभाविक है। टाइगर श्रॉफ की लोकप्रियता के कारण इस घटना पर देशभर की निगाहें टिकना भी असमानी नहीं है। मगर इस घटना का सबसे गंभीर पहलू यह है कि गोलीबारी की चपेट में वे लोग भी आ सकते थे, जिनका न

डा. अरविनी महाजन

टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने हाल ही में टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे वॉयस कॉल और एसएमएस के साथ डाटा को अनिवार्य रूप से बंदल करना बंद करें। उद्धारण के लिए कंपनियों से कहा गया है कि वे ऐसे प्लान भी दें जिनमें सिर्फ वॉयस और एसएमएस की सुविधा हो और डाटा शामिल न हो। इस कदम से उन ग्राहकों का खर्च कम होगा जिन्हें डाटा की जरूरत नहीं होती और जो अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल सिर्फ कॉल करने या एसएमएस भेजने के लिए करते हैं। हालांकि, सस्ते डाटा के गलत इस्तेमाल की समस्या को कम करने के लिए ट्राई एक और कदम उठा सकता है।

इसे टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दे सकते हैं कि वे हर दिन 1 या 2 जीबी डाटा देने के बजाय, महीने में 2 से 5 जीबी तक सीमित डाटा दें, ताकि डाटा का इस्तेमाल किया जा सके। यही नहीं माता पिता जिन्होंने अपनी बच्चों को स्मार्टफोन इसलिए दिया है ताकि वे अपनी शिक्षा की आवश्यकता को पूर्ण कर सकें, उनके लिए भी सीमित डाटा के प्लान ज्यादा उपयोगी हो सकते हैं। ऐसे में बच्चे डाटा का मितव्ययता से उपयोग करना सीखेंगे...

भारत दुनिया में सबसे सस्ता डाटा उपलब्ध कराते वाले देशों में शामिल है। भारत में प्रति जीबी डाटा की कीमत मात्र 5 से 6 रुपए ही है। 2014 में यह कीमत 269 रुपए से 308 रुपए प्रति जीबी थी। यानी पिछले 12 वर्षों में डाटा की कीमत 97 प्रतिशत घटी है। यदि वाई-फाई डाटा की बात करें तो कई

विचार

क्या मुंबई में खोफ फिर लौट आया है?

तो फिल्मी दुनिया से कोई संबंध है और न ही किसी विवाद से। ड्राइवर और ऑटो-रिक्शा चालक जैसे आम लोग ऐसी घटनाओं में बिना किसी गलती के अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। सवाल यह है कि अगर सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह अचानक गोलियाँ चलाई जा सकती हैं, तो आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं? सड़क पर खड़ा व्यक्ति,

जगत और आम नागरिकों के बीच भय का वातावरण पैदा करने वाली घटनाएं भी हुई थीं। पुलिस की कार्रवाई, खुफिया तंत्र की सक्रियता और कानून के सख्त इस्तेमाल से शहर ने कई मोर्चों पर अपनी स्थिति मजबूत की।

ऐसे में गोलीबारी जैसी कोई घटना लोगों को उस पुराने दौर की याद दिला सकती है। हालांकि, किसी एक घटना के आधार पर यह



बाजार में खरीदारी करने वाला परिवार, देर रात झुट्टी से लौटता कर्मचारी और अपने बच्चों के साथ बाहर निकला अभिभावक। इन सभी को सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए।

कानून-व्यवस्था का वास्तविक आकलन केवल बड़े लोगों की सुरक्षा से नहीं, बल्कि आम जनता के भयमुक्त जीवन से होता है। मुंबई ने एक दौर में अंडरवर्ल्ड, जबन वक्लूी और संगठित अपराध की चुनौतियों का सामना किया है। उस दौर में फिल्म उद्योग, कारोबारी

निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि मुंबई में झुट्टी से लौटता कर्मचारी और अपने बच्चों के साथ बाहर निकला अभिभावक। इन सभी को सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए। कानून-व्यवस्था का वास्तविक आकलन केवल बड़े लोगों की सुरक्षा से नहीं, बल्कि आम जनता के भयमुक्त जीवन से होता है। मुंबई ने एक दौर में अंडरवर्ल्ड, जबन वक्लूी और संगठित अपराध की चुनौतियों का सामना किया है। उस दौर में फिल्म उद्योग, कारोबारी

सस्ता डाटा पड़ रहा है महंगा

सार्वजनिक स्थान में तो यह मुफ्त उपलब्ध होता है। निजी तौर पर भी यह घरों और कर्मस्थानों के कनेक्शन पर विभिन्न कंपनियों द्वारा साल भर में मात्र 5000 से 10000 रुपए प्रति वर्ष की कीमत पर लगभग असीमित डाटा मिलता है। डाटा की गति के अनुसार कीमत तय होती है। गौरतलब है कि अभी तक देश में 7.22 लाख किलोमीटर अप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जा चुकी है। भारत में टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटरनेट दुनिया में दूसरे स्थान पर है। इस विस्तार के कारण भारत में स्मार्टफोन की संख्या तेजी से बढ़ी है।

इसके कारण भारत में डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और इंटरनेट आधारित प्लेटफार्म का चलन बढ़ा है। भारत में ब्रॉडबैंड 100 करोड़ तक पहुंच चुका है। अन्य देशों से तुलना करें तो भारत में डाटा अमेरिका, यूरोपीय देशों और जापान ही नहीं चीन से भी कहीं सस्ता है। जहां अमेरिका में यह 3.5 गुना ज्यादा 0.20 डॉलर प्रति जीबी है, चीन में यह आधा डॉलर यानी 47 रुपए प्रति जीबी है।

जहां भारत की प्रति व्यक्ति आय दुनिया में 146वें स्थान पर आती है, मोबाइल डाटा की कीमत में किफायत में भारत का स्थान सबसे ऊपर के देशों में होना यह बताता है कि भारत

में डाटा बहुत ही अफोर्डेबल है। कितना उपयोग होता है डाटा : टेलीकॉम निम्ता नोकिया कंपनी के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति वॉरिफाई कपेटी उपयोग 2025 में 31 जीबी तक पहुंच गया है, जो 2024 में 27.5 जीबी ही था। डाटा का उपयोग पिछले 5 वर्षों में 21.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष तय होती है। गौरतलब है कि अभी तक देश में की स्पीड में भी खासा विकास हुआ है। आज भारत में 5जी पैंट 25 प्रतिशत से अधिक है और मेट्रो शहरों में तो यह 58 प्रतिशत से अधिक है। कहां उपयोग होता है डाटा : महत्वपूर्ण बात यह है कि डाटा का प्रयोग कहां और कितना होता है? भारत में 2025 में 50 करोड़ सोशल मीडिया उपयोग करने वाले मोबाइल ग्राहक थे।

न्यून एंजूसी रॉयटर का कहना है कि भारत में प्रतिदिन औसतन भारतीय 3.2 घंटे सिर्फ सोशल मीडिया एप्स पर ही खर्च करता है। और मेट्रो शहरों में तो यह 58 प्रतिशत से अधिक है। कहां उपयोग होता है डाटा : महत्वपूर्ण बात यह है कि डाटा का प्रयोग कहां और कितना होता है? भारत में 2025 में 50 करोड़ सोशल मीडिया उपयोग करने वाले मोबाइल ग्राहक थे।

न्यून एंजूसी रॉयटर का कहना है कि भारत में प्रतिदिन औसतन भारतीय 3.2 घंटे सिर्फ सोशल मीडिया एप्स पर ही खर्च करता है। और मेट्रो शहरों में तो यह 58 प्रतिशत से अधिक है। कहां उपयोग होता है डाटा : महत्वपूर्ण बात यह है कि डाटा का प्रयोग कहां और कितना होता है? भारत में 2025 में 50 करोड़ सोशल मीडिया उपयोग करने वाले मोबाइल ग्राहक थे।

न्यून एंजूसी रॉयटर का कहना है कि भारत में प्रतिदिन औसतन भारतीय 3.2 घंटे सिर्फ सोशल मीडिया एप्स पर ही खर्च करता है। और मेट्रो शहरों में तो यह 58 प्रतिशत से अधिक है। कहां उपयोग होता है डाटा : महत्वपूर्ण बात यह है कि डाटा का प्रयोग कहां और कितना होता है? भारत में 2025 में 50 करोड़ सोशल मीडिया उपयोग करने वाले मोबाइल ग्राहक थे।

रातो-रात मिलने वाले हजारों लाइक्स और कमेंट्स युवा मस्तिष्क में डोपामाइन (खुशी और उत्साह देने वाला हॉर्मोन) का तेज संचार करते हैं जिसके कारण उसे इस प्रकार की हरकतों को दोहराने यानी वायरलिटी की लत लग जाती है। डिजिटल युग में युवाओं के बीच इंस्टेंट फेम और कलाउट चेसिंग यानी हर कीमत पर इंस्टाग्राम चर्चा में बने रहने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। आधुनिक जीवनशैली में कई युवा खुद को उपेक्षित या गुमनाम महसूस करते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया उन्हें एक ऐसा मंच देता है जहां वे खुद को हीरो या किसी बड़े आंदोलन का नायक साबित कर सकते हैं। युवा भूल जाते हैं कि वे जिस मुद्दे के लिए सड़क पर उतरे हैं, उसकी गंभीरता क्या है? उनका पूरा ध्यान इस बात पर होता है कि उनका कैमरा किस एंगल से सबसे नाटकीय दिख रहा है। वहीं सोशल मीडिया के एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं को ऐसी सामग्री से लगातार

यदि घटना के पीछे संगठित अपराध का हाथ निकलता है, तो कार्रवाई केवल गोली चलाने वालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में बढनी चाहिए। मुंबई पुलिस देश के सबसे अनुभवी पुलिस बलों में गिनी जाती है। शहर की आबादी, आर्थिक गतिविधियों और संवेदशील प्रतिध्नाओं को देखते हुए यहां



सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी है। ऐसे में पुलिस के सामने चुनौती केवल घटना के बाद आरोपियों को गिरफ्तार करने की नहीं, बल्कि भविष्य में इस तरह की वारदातों को रोकने की भी है।

जांच एजेंसियों को घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, इस्तेमाल किए गए हथियारों और हमलावरों के आने-जाने के रास्तों की पड़ताल करनी चाहिए। गोलीबारी के पीछे की मंशा का पता लगाना भी

जना ही महत्वपूर्ण है। क्या किसी को डराने की कोशिश की गई? क्या किसी तरह की धमकी दी गई थी? क्या यह किसी अपराधिक गिरोह की गतिविधि है? इन सभी सवालों के जवाब तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर सामने आने चाहिए। साथ ही, घायल लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया में संवेदनशीलता बरतना जरूरी है। पुलिस की जांच पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि जनता के बीच फैलने वाली अफवाहों और अनावश्यक कथन पर भी अंकुश लगाया जा सके।

किसी महानगर में गोलीबारी की घटना केवल पुलिस की गस्त पर सवाल नहीं उठती, बल्कि यह भी पूछती है कि अपराधियों तक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। यदि जांच में अवैध हथियारों के इस्तेमाल की पुष्टि होती है, तो हथियारों की तस्करी और उनकी आपूर्ति करने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई अनिवार्य हो जाती है। अपराध रोकने के लिए सड़कों पर पुलिस की मौजूदगी के साथ-साथ खुफिया जानकारी जुटाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा। संवेदनशील इलाकों में प्रभावी निगरानी, त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया और तकनीक का जिम्मेदार इस्तेमाल अपराधियों के लिए मुश्किलें बढ़ सकता है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कानून का भय अपराधियों के मन में होना चाहिए, नागरिकों के मन में नहीं। यदि अपराधी इस विश्वास के साथ वारदात करते हैं कि वे आसानी से बच निकलेंगे, तो यह व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। त्वरित जांच, निष्पक्ष अभियोजन और दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार सजा ही न्याय व्यवस्था में विश्वास मजबूत कर सकती है।

ऐसी घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह के दावें और अपुष्ट जानकारीयाँ प्रसारित होने लगती हैं। कभी किसी गिरोह का नाम उछला जाता है, तो कभी बिना प्रमाण किसी बड़े षड्यंत्र की चर्चा होने लगती है। इससे जांच प्रभावित हो सकती है और आम लोगों में बेवजह डर फैल सकता है।

टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने हाल ही में टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे वॉयस कॉल और एसएमएस के साथ डाटा को अनिवार्य रूप से बंदल करना बंद करें। उदाहरण के लिए कंपनियों से कहा गया है कि वे ऐसे प्लान भी दें जिनमें सिर्फ वॉयस और एसएमएस की सुविधा हो और डाटा शामिल न हो। इस कदम से उन ग्राहकों का खर्च कम होगा जिन्हें डाटा की जरूरत नहीं होती और जो अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल सिर्फ कॉल करने या एसएमएस भेजने के लिए करते हैं। हालांकि, सस्ते डाटा के गलत इस्तेमाल की समस्या को कम करने के लिए ट्राई एक और कदम उठा सकता है।

वे टेलीकॉम कंपनियों को निर्देश दे सकते हैं कि वे हर दिन 1 या 2 जीबी डाटा देने के बजाय, महीने में 2 से 5 जीबी तक सीमित डाटा दें, ताकि डाटा का इस्तेमाल किया जा सके। यही नहीं माता पिता जिन्होंने अपनी बच्चों को स्मार्टफोन इसलिए दिया है ताकि वे अपनी शिक्षा की आवश्यकता को पूर्ण कर सकें, उनके लिए भी सीमित डाटा के प्लान ज्यादा उपयोगी हो सकते हैं। ऐसे में बच्चे डाटा का मितव्यता से उपयोग करना सीखेंगे और समय का दुरुपयोग भी नहीं होगा और बच्चे मोबाइल से ध्यान हटा कर खेलने और दूसरी रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान लगाएँ। दुविधा यह है कि आजकल के बच्चे मोबाइल पर ज्यादा बिजी होते हैं। हर कोई मोबाइल से चिपका रहता है। बच्चों की अपने माता-पिता से बातचीत भी सीमित होती है। इससे बच्चे एक अलग दुनिया में रहने लगे हैं, जहां वह परिवारों से कटे रहते हैं।

लोकरतंत्र का मंच या लाइक्स का प्रपंच

घेरते रहते हैं जो उनकी पहले से बनी सोच या गुस्से को सही ठहराती है। इसे इको चैंबर कहा जाता है। जब एक युवा लगातार अपनी फीड में उग्र और भड्काऊ वीडियो देखता है तो उसका मस्तिष्क यह मानने लगता है कि चरम कदम उठाना ही एकमात्र और सही रास्ता है।

भारत का संविधान अपने नागरिकों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का मौलिक अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की जीवन रेखा है। परंतु जब इस अधिकार का दुरुपयोग कर इसे उपद्रव और तमाशे में बदला जाता है तो इसके दूरगामी परिणाम होते हैं। लोकतंत्र में असहमति का स्वगत है परंतु असहमति जब अनुशासनहीनता और अराजकता की रूप ले ले तो वह अभिव्यक्ति का स्वतंत्रता नहीं बल्कि सामाजिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार बन जाती है। एसआईआर या किसी दूसरे महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय पर गंभीर बौद्धिक बहस या तार्किक विरोध होना चाहिए लेकिन भौंडे प्रदर्शन उस पूरे मुद्दे की गंभीरता को ही समाप्त कर देते हैं। नीति निर्माताओं और आम जनता का ध्यान मूल समस्या से हटकर उस तमाशे पर केंद्रित हो जाता है जिससे संवाद के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं।

उा प्रदर्शनों में युवा अकसर व्यक्तिगत विवेक खो बैठते हैं और भौंड का हिस्सा

दसवीं के अंकों से खुलेगा डॉक्टर और इंजीनियर बनने का रास्ता

लखनऊ (एजेंसी) दसवीं में गणित और विज्ञान में हासिल किए गए अंक अब मेधावी विद्यार्थियों के लिए इंजीनियर या डॉक्टर बनने की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर बन सकते हैं। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में कक्षा 12 विज्ञान वर्ग में पढ़ रहे विद्यार्थियों को जेईई और नीट की तैयारी के लिए दक्षणा फाउंडेशन के माध्यम से एक साल की नि:शुल्क कोचिंग मिलेगी। इस अवसर के लिए पात्रता तय करने में कक्षा 10 के अंकों के साथ पारिवारिक आय को भी आधार बनाया गया है। चर्यनित विद्यार्थियों को पुणे के निकट दक्षणा वैली परिसर में कोचिंग के साथ आवास और भोजन की सुविधा भी मुफ्त मिलेगी। समाज कल्याण विभाग के निदेशक संजीव सिंह ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2026-27 में कक्षा 12 विज्ञान वर्ग में अध्ययनरत और मई 2027 तक बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थी संयुक्त दक्षणा चयन परीक्षा (जेडीएसटी-2027) के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार आवेदन कर सकते हैं।

सपा को 29 नवंबर की महारैली से लगेगा बड़ा झटका : ओम प्रकाश राजभर

लखनऊ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ के आईटीआई मैदान में 29 नवंबर को आयोजित होने वाली सामाजिक समरसता महारैली के जरिए समाजवादी पार्टी के गढ़ को चुनौती दी जाएगी। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि महारैली के जरिए आजमगढ़ में सपा की राजनीतिक ताकत को बड़ा झटका लगने वाला है। 29 नवंबर को आईटीआई मैदान में पूरी तरह लोगों को भ्रम खत्म कर देंगे, जिसे अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी का गढ़ कहते हैं। किसी को पता भी नहीं चलेगा कि समाजवादी पार्टी कहां चली गई। बता दें कि उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ स्थित आईटीआई

विजयादशमी पर गुरु गोरखनाथ की आराधना में लीन हुए योगी, गोपूजन कर लोकमंगल की कामना की

सीएम मंदिर के पुजारी योगी कमलनाथ, संस्कृत विद्यापीठ के आचार्यों और वेदपाठी छात्रों के साथ गुरु गोरखनाथ के मुख्य मंदिर पहुंचे

गोरखपुर (एजेंसी)

विजयादशमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर में शिववतार महायोगी गुरु गोरखनाथ की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। गोरक्षपीठधीश्वर के रूप में पीठ की पारंपरिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए उन्होंने चराचर जगत के कल्याण और प्रदेशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

गोरक्षपीठ में विजयादशमी का विशेष पूजन-अनुष्ठान दो घंटे से अधिक समय तक चला। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार, शंख, डमरू, घंट, तुरही और नाथपंथ के पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गुंज से मंदिर परिसर भक्तिमय बना रहा। विजयादशमी के विशेष अनुष्ठान का शुभारंभ गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में हुआ। यहां शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा से ही जगतजननी आदिशक्ति की आराधना के अनुष्ठान



चल रहे थे। वेदी पूजन और लोकमंगल की प्रार्थना के बाद सीएम योगी मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, अन्य साधु-संतों, संस्कृत विद्यापीठ के आचार्यों और वेदपाठी छात्रों के साथ गुरु गोरखनाथ के मुख्य मंदिर पहुंचे। गर्भगृह में उन्होंने नाथपंथ की परंपरा के अनुसार महायोगी गुरु गोरखनाथ का विशिष्ट पूजन किया। इस दौरान विविध पूजन सामग्रियों के साथ शक्तिपीठ की वेदी पर उगाए

गए जो का ज्वार अर्पित किया गया। सीएम योगी ने आरती उतारी और हाथों से चंवर झलकर श्रद्धा एवं समर्पण भाव से सेवा की।

गुरु गोरखनाथ की आराधना के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर में प्रतिष्ठित अखंड ज्योति, विभिन्न देव विग्रहों, नाथपंथ के मनीषियों के विग्रहों, अखंड धूना, यज्ञशाला और भीम सरोवर का भी विधिवत पूजन किया। उन्होंने करबद्ध होकर महायोगी गुरु

गोरखनाथ और देव विग्रहों की परिक्रमा की। अनुष्ठान के क्रम में गोरक्षपीठधीश्वर अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ महाराज, दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ महाराज और योगिराज बाबा गंभीरनाथ महाराज सहित नाथपंथ के अन्य मनीषियों के समाधि स्थलों पर पहुंचे। उन्होंने संतों की प्रतिमाओं के समक्ष शीश नवाया और विधिवत पूजन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान मंदिर

परिसर में नाथपंथ के पारंपरिक वाद्य यंत्र नागफनी, शंख, ढोल, घंट, डमरू और तुरही के साथ बेंड़-बाजे की ध्वनि गुंजती रही। पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विजयादशमी का पर्व श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया।

विजयादशमी के विशेष पूजन के क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोपूजन भी किया। उन्होंने गोमाता को श्रद्धाभाव से गुरु खिलाया और गवंश को दुधालकर गोसेवा की। इसके बाद उन्होंने भीम सरोवर में रहने वाली मछलियों को लाई खिलाई। विजयादशमी के अवसर पर गोरक्षपीठधीश्वर ने प्रदेशवासियों के सुखमय, शांतिमय और समृद्ध जीवन की कामना की। गोरखनाथ मंदिर में आयोजित इस पारंपरिक अनुष्ठान में नाथपंथ की धार्मिक परंपराओं, गुरु-शिष्य परंपरा और लोककल्याण की भावना का संगम देखने को मिला।

अयोध्या में आरएसएस का शौर्य प्रदर्शन, शस्त्र पूजा के बाद रामलला नगर में निकला पथ संचलन

अयोध्या (एजेंसी)

अयोध्या में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने विजयादशमी का पर्व परंपरागत उत्साह और अनुशासन के साथ मनाया। रामलला नगर में आयोजित कार्यक्रम में शस्त्र पूजा और पथ संचलन मुख्य आकर्षण रहा। इस अवसर पर राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन और नगर संचालक जयरामदास सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन ने बातचीत में कहा, आज विजयादशमी का दिन है। यह हमारे संघ के प्रमुख उत्सवों में से एक है।

इस वर्ष संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो गए हैं। इसी संदर्भ में यहां स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण हुआ और पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शस्त्र पूजन और ध्वजारोहण के साथ हुई। महानगर सेवा प्रमुख बालेंद्र का उद्घोषण भी हुआ। इसके बाद सभी



स्वयंसेवक पथ संचलन के लिए निकले हैं। नगर संचालक जयरामदास ने कहा, आज रामलला नगर में भी विजयादशमी उत्सव मनाया गया। सबसे पहले शाखा लगाई गई और ध्वज प्रणाम किया गया। इसके बाद स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण, प्रार्थना और बौद्धिक कार्यक्रम हुआ। उन्होंने पथ संचलन के मार्ग की जानकारी देते हुए बताया कि यह संचलन तुलसी उद्यान से शुरू होकर लता चौक, हनुमानगढ़ी और श्री राम जन्मभूमि के मुख्य द्वार तक गया और वहां से होते हुए हनुमानगढ़ी रोड से वापस तुलसी उद्यान में आकर संपन्न होगा। परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विजयादशमी पर शस्त्र पूजन की परंपरा रही है।

परिसीमन से जुड़े विधेयक पर सियासत तेज, राजद सांसद मनोज झा ने केंद्र सरकार पर बोला हमला



दायरा बढ़ाना होगा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या यह बेहतर नहीं होता कि परिसीमन को लेकर लोगों के मन में जो आशंकाएं हैं, उन्हें दूर करने के लिए संसद सत्र शुरू होने से पहले एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाति, जिसमें सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होती। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा।

झा ने कहा कि अक्सर ऐसे महत्वपूर्ण मौकों पर प्रधानमंत्री गायब हो जाते हैं। उन्हें सदन में मौजूद

रहना चाहिए ताकि सभी दलों के बीच खुला संवाद हो सके। वहीं, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान पर भी मनोज झा ने प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में सत्ता परिवर्तन संभव नहीं है और नेपाल और बांग्लादेश जैसी घटनाएं स्वार्थ के लिए होती हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मनोज झा ने कहा कि मोहन भागवत को बिल्कुल भी चिंता करने की जरूरत नहीं है और यह गांधी का देश है। उन्होंने कहा कि

तेजस्वी यादव ने बेरोजगारी, गरीबी और कुशासन को बताया बिहार का ‘दशानन’, दशहरा पर इसके दहन का किया आह्वान

पटना (एजेंसी)

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने विजयादशमी और दशहरा के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए बेरोजगारी, अशिक्षा, गरीबी, पलायन, अपराध, भ्रष्टाचार और कुशासन को बिहार का दशानन बताया। उन्होंने लोगों से इन समस्याओं को समाप्त करने का संकल्प लेने और पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई, सुनवाई एवं कार्रवाई वाली व्यवस्था की नींव रखने का आह्वान किया।

तेजस्वी यादव ने अपने संदेश में कहा कि विजयादशमी बुवाई पर अच्छई और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है। इस अवसर पर सभी को बिहार के विकास और आम



लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, अशिक्षा, गरीबी, पलायन, अपराध, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बाढ़, सुखाड़ और कुशासन रूपी दशानन बिहार को अंदर से खोखला कर रहा है। राजद के

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में बिहार देश का सबसे पिछड़ा राज्य बना हुआ है। प्रदेश का एक बड़ा वर्ग आज भी अच्छे

वाराणसी के नमो घाट पर 22 से 25 अक्टूबर तक भव्य एयर शो का आयोजन, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

वाराणसी (एजेंसी)



भारतीय वायुसेना दिवस की 94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वाराणसी के नमो घाट पर भव्य मेगा एयर शो का आयोजन किया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। एयर शो का आयोजन 22, 24 और 25 अक्टूबर को किया जाएगा। भारतीय वायुसेना दिवस की 94वीं वर्षगांठ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वायुसेना ने नमो घाट परिसर को अपने नियंत्रण में ले लिया है। वहीं, पुलिस और जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

इससे पहले 21 अक्टूबर को इसकी अंतिम हिस्सल यानी फुल ड्रेस अभ्यास होगा। इस दौरान सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक 20 से अधिक आधुनिक लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर गंगा नदी के ऊपर आसमान में हैरतअंगेज करतब दिखाएंगे। इस अभ्यास के जरिए मुख्य आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप

यूपी में सपा सरकार बनी तो आजम खान पर लगे सारे मुकदमे लेंगे वापस : फखरुल चांद

लखनऊ (एजेंसी)

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 22 अक्टूबर को रामपुर जेल में पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच करीब 45 मिनट तक मुलाकात का समय तय किया गया है। इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। इस मुलाकात को लेकर सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का रामपुर का कार्यक्रम निर्धारित हो गया है। वह 22 तारीख को रामपुर जाएंगे और आजम खान से मिलेंगे। मुलाकात के दौरान वह उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल भी लेंगे। फखरुल हसन चांद ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी की सरकार में लगातार आजम खान के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए, जिस तरह से एजेंसियों का



दुरुपयोग किया जा रहा है और जिस तरह से शिक्षा के मंदिर को गिराने का प्रयास किया जा रहा है, उन सभी मुद्दों पर अखिलेश यादव उससे बात करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि समाजवादी पार्टी को पूरा भरोसा है कि 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है और सरकार बनने के बाद आजम खान पर लगे सभी मुकदमों को वापस लेने का काम किया जाएगा।

वहीं, इस मुलाकात पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। कांग्रेस प्रवक्ता सुंदे्र राजपूत ने कहा कि यह अच्छी बात है। आजम खान

उनकी पार्टी के बहुत सीनियर नेता हैं और मुलायम सिंह यादव के साथी रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार शत्रुता की भावना से आजम खान को त्राटिज कर रही है। सुंदे्र राजपूत ने कहा, भारतीय जनता पार्टी आजम खान के साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रही है। उनके साथ एक क्रिमिनल की तरह व्यवहार किया जा रहा है। ऐसे में अखिलेश यादव का अपने पारिवारिक सदस्य और अपनी पार्टी के बड़े नेता के पास जाना एक अच्छी बात है। इससे पूरे प्रदेश में एक संदेश भी जाएगा और आजम खान का हौसला भी बढ़ेगा।

अधेड़ की हत्या से हड़कंप, चेहरे और सीने पर मिले गहरे जख्म, एनएच-19 पर हादसे में बाइक सवार की मौत

रोहतास (एजेंसी)

रोहतास जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मंगलवार की सुबह हत्या और सड़क हादसे की दो घटनाओं से सनसनी फैल गई। कराहर थाना क्षेत्र के डुमरा गांव में एक अधेड़ व्यक्ति की हत्या कर दी गई, जबकि दरिगांव थाना क्षेत्र में मां ताराचंडी धाम के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर सड़क दुर्घटना में बाइक सवार पर एक व्यक्ति की मौत हो गई।

हादसे में बाइक पर सवार दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। कराहर थाना क्षेत्र के डुमरा गांव में मृतक की पहचान स्वर्गीय राधाकिशुन तिवारी के 50 वर्षीय पुत्र जनार्दन तिवारी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि जनार्दन तिवारी सोमवार की रात खाना खाने के बाद घर से खेत की ओर निकले थे, लेकिन पूरी रात वापस नहीं लौटे। मोलवार की सुबह उनका शव गांव में दलित बस्ती की ओर

जाने वाले रास्ते पर खून से लथपथ मिला। गांव में शव मिलने की खबर फैलते ही हड़कंप मच गया। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मृतक के चेहरे और सीने पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं। इससे धारदार हथियार से हमला कर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, परिजनों ने किसी से दुश्मनी होने की बात से इनकार किया है। घटना की सूचना मिलने पर कराहर थानाध्यक्ष रामचंद्र चौपाल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेज दिया है। हत्या के कारणों का पता लगाने और वारदात में शामिल लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छनबीन की जा रही है।

मंगल के रहस्यों से उठेगा पर्दा! जापान का ऐतिहासिक मिशन, पृथ्वी पर लाएगा ‘मार्स मून’ की मिट्टी

टोक्यो (एजेंसी)

क्या मंगल ग्रह के चंद्रमा की मिट्टी से पृथ्वी पर जीवन के रहस्य का पर्दा उठ सकता है? क्या सौरमंडल के जन्म कैसे हुआ ये समझने में मदद मिल सकती है? जापान ने इसी सवाल का जवाब तलाशने की कोशिश के तहत एक ऐतिहासिक अंतरिक्ष अभियान शुरू किया है। जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएक्सए) ने मंगलवार को अपने एच-3 रॉकेट के जरिए मार्टियन मूस एक्सप्लोरेशन (एमएमएक्स) अंतरिक्ष यान को रवाना किया।

इस मिशन का लक्ष्य मंगल के दो चंद्रमाओं में से एक फोबोस की सतह से चट्टानों और मिट्टी के नमूने इकट्ठ कर उन्हें पृथ्वी पर वापस लाना है। जापानी न्यूज एजेंसी क्योडो के अनुसार, यह अपनी तरह का पहला अभियान है, जिसमें किसी मार्टियन चंद्रमा से नमूने लाकर उनका पृथ्वी पर विश्लेषण करने की कोशिश की



जाएगी। करीब 57.8 करोड़ डॉलर की लागत वाले इस मिशन के तहत 10 ग्राम मिट्टी और चट्टानी पदार्थ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। नमूनों को लेकर अंतरिक्ष यान के 2031 में पृथ्वी पर लौटने की योजना है। जापान के दक्षिण-पश्चिम में स्थित तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से स्थानीय समयानुसार मंगलवार सुबह 4 बजकर 41 मिनट पर रॉकेट ने उड़ान भरी। प्रक्षेपण के लगभग एक घंटे बाद अंतरिक्ष यान के

रॉकेट से सफलतापूर्वक अलग होने की पुष्टि की गई। इस सफलता के साथ जापान ने मार्स मूस की खोज के एक नए चरण में प्रवेश किया है।

मंगल के दो प्राकृतिक उपग्रह हैं- फोबोस और डिमोस। अनियमित आकार और गड्ढों से भरे इन चंद्रमाओं के बारे में वैज्ञानिकों के पास अब भी सीमित जानकारी है। फोबोस मंगल के ज्यादा करीब है और लगभग 6,000 किलोमीटर की दूरी पर उसकी परिक्रमा

जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी ने मंगलवार को अपने एच-3 रॉकेट के जरिए मार्टियन मूस एक्सप्लोरेशन अंतरिक्ष यान को रवाना किया। इस मिशन का लक्ष्य मंगल के दो चंद्रमाओं में से एक फोबोस की सतह से चट्टानों और मिट्टी के नमूने इकट्ठा कर उन्हें पृथ्वी पर वापस लाना है

करता है। यह मंगल के चारों ओर एक दिन में करीब तीन चक्कर लगाता है। वैज्ञानिकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि इन दोनों का जन्म कैसे हुआ? एक सिद्धांत के मुताबिक, मंगल से किसी बड़े खगोलीय पिंड की टक्कर के बाद निकले मलबे से ये चंद्रमा बने होंगे। दूसरे सिद्धांत के अनुसार, ये दरअसल बुधग्रह हैं, जिन्हें मंगल के गुरुत्वाकर्षण ने अपनी कक्षा में खींच लिया। फोबोस की मिट्टी और चट्टानों का विस्तृत अध्ययन इन दोनों संभावनाओं में अंतर स्पष्ट करने में मदद कर सकता है। नमूनों में मंगल की सतह से निकली सामग्री के अंश मिलने की भी उमीद है। इससे वैज्ञानिकों को लाल ग्रह के

भूवैज्ञानिक इतिहास और उसके आसपास मौजूद पदार्थों की संरचना को समझने का अवसर मिलेगा। लगभग पांच टन वजनी एमएमएक्स अंतरिक्ष यान के अगस्त 2027 तक मंगल क्षेत्र में पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद वह फोबोस के आसपास रहकर उसकी सतह, संरचना और गुरुत्वाकर्षण का अध्ययन करेगा। जेएक्सए के अनुसार, मिशन में फ्रांस और जर्मनी के सहयोग से विकसित इंडेफिक्स नाम का एक छोट गेवर भी शामिल है। इसे फोबोस की सतह पर उतारकर करीब 100 दिनों तक सर्वेक्षण करने की योजना है। गेवर ऐसे स्थानों की पहचान करेगा, जहां मुख्य अंतरिक्ष यान सुरक्षित तरीके से उतरकर

कोरियाई सीमा पर बढ़ा सैन्य तनाव, प्योंगयांग की धमकी के बाद दक्षिण कोरिया ने दिया सख्त जवाब का आदेश

कोरियाई सीमा पर बढ़ा सैन्य तनाव, प्योंगयांग की धमकी के बाद दक्षिण कोरिया ने दिया सख्त जवाब का आदेश

सोल (एजेंसी)

उत्तर कोरिया की ओर से दक्षिणी सीमा के पास और हथियार तैनात करने की धमकी के बाद कोरियाई प्रायद्वीप में सैन्य तनाव बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया के शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल जिन योंग-सुंग ने मंगलवार को सैनिकों को दृष्टमन की किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का कड़ा जवाब देने का निर्देश दिया।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ (जेसीएस) के अध्यक्ष जिन ने अग्रिम मोर्चे पर स्थित एक सैन्य इकाई का दौरा करते हुए उत्तर कोरिया पर सीमा पर बढ़ते तनाव की जिम्मेदारी दक्षिण कोरियाई सेना पर डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया की ओर से दक्षिण



कोरिया के वैध सैन्य अभियानों को उकसावे की कार्रवाई बताना स्वीकार्य नहीं है। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सोमवार को कहा, 'दक्षिण कोरिया के खिलाफ सीमा पर प्रचार अभियान दोबारा शुरू करने और अधिक सामरिक हमलावर हथियार तैनात

कोरिया के वैध सैन्य अभियानों को उकसावे की कार्रवाई बताना स्वीकार्य नहीं है। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सोमवार को कहा, 'दक्षिण कोरिया के खिलाफ सीमा पर प्रचार अभियान दोबारा शुरू करने और अधिक सामरिक हमलावर हथियार तैनात

करने पर प्योंगयांग विचार कर रहा है।' उन्होंने सीमा की स्थिति को बेहद अस्थिर बताया और दक्षिण कोरियाई सेना पर उत्तर कोरियाई सैनिकों के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया। यह विवाद 21 सितंबर को सीमा के पास हुए बारूदी सुरंग विस्फोट के बाद बढ़ गया, जिसमें दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हो गए थे। सोल

दक्षिण कोरिया के शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल जिन योंग-सुंग ने सैनिकों को दृष्टमन की किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का कड़ा जवाब देने का दिया निर्देश

ने आरोप लगाया है कि उत्तर कोरिया ने सीमा के दक्षिणी हिस्से में बारूदी सुरंगें बिछाई थीं। प्योंगयांग ने इन आरोपों को खारिज किया है। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, इस साल उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पर किलेबंदी का काम करते हुए सैन्य सीमांकन रेखा का करीब 50 बार उल्लंघन किया। दक्षिण कोरिया ने इन घटनाओं के जवाब में चेतावनी के तौर पर गॉलियां प्रसारित किए। किम यो जोंग ने इन

कार्रवाइयों को उकसावे वाला बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया जवाबी कदम उठाने पर विचार कर रहा है। इसमें सीमा के पास अधिक सामरिक हथियारों की तैनाती और दक्षिण कोरिया की दिशा में प्रचार प्रसारण बहाल करना शामिल है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को उत्तर कोरिया की धमकियों पर गंभीर चिंता जताई। मंत्रालय ने कहा कि सैन्य सीमांकन रेखा के पास चेतावनी वाले प्रसारण और गॉलियां चलाना उत्तर कोरियाई सैनिकों को सीमा पार करने से रोकने के लिए वैध रक्षात्मक उपाय हैं। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि यदि उत्तर कोरिया इन कदमों को आगे किसी उकसावे की कार्रवाई का बहाना बनाता है, तो उसे निर्णायक जवाब दिया जाएगा।

कोलकाता में भीषण आग से कई दुकानें जलकर खाक, दमकल की 15 गाड़ियों ने पाया काबू

कोलकाता (एजेंसी)

दक्षिण कोलकाता के बाधा जर्तिन इलाके के एक बाजार में मंगलवार को भीषण आग लगने से कई दुकानें जलकर खाक हो गईं। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, आग में 15 दुकानें जल गई हैं। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। राज्य अग्निशमन सेवा विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'कुल 15 दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने में लगभग तीन घंटे लग गए। अब आग पूरी तरह से नियंत्रण में है।' जानकारी मिली है कि सुबह आग लगने की खबर मिलने के बाद स्थानीय नेताजी नगर पुलिस थाने के पुलिसकर्मी मौके

पर पहुंच गए। राज्य अग्निशमन सेवा विभाग को भी तुरंत सूचित कर दिया गया। जैसे-जैसे आग की तीव्रता बढ़ी, मौके पर तैनात दमकल गाड़ियों की संख्या भी बढ़ गई। दमकल की 15 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। दमकलकर्मियों ने आग को बाजार के अन्य हिस्सों में फैलने से रोकने के लिए भी काफी मशक्कत की। राज्य अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आग सबसे पहले एक ऐसी दुकान में लगी जहां पूजा का सामान बेचा जाता था। मौके पर मौजूद अधिकारी ने बताया, माना जा रहा है कि तड़के करीब 4 बजे दुकान में आग लगी। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उस दुकान में आग किस वजह से लगी। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, कुल 15 दुकानें जलकर खाक हो गई हैं। हालांकि, पूरी जांच के बाद ही नुकसान के सही आंकड़े का पता चल सकेगा।

उज्जैन में परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम : 3 दिन होगा रावण दहन, भव्य रूप में निकलेगी बाबा महाकाल की सवारी

उज्जैन (एजेंसी)

नवरात्रि की पूर्णता और विजयादशमी के पावन अवसर पर धर्मनगरी उज्जैन में उत्साह और उल्लास का माहौल है। इस बार शहर में परंपरा और आधुनिकता का अनूठ संगम देखने को मिलेगा। एक ओर तीन दिनों तक विभिन्न स्थानों पर रावण दहन के भव्य आयोजन होंगे, वहीं दूसरी ओर भगवान श्री महाकालेश्वर की पारंपरिक सवारी नए शहर के मार्गों से होते हुए दशहरा मैदान पहुंचेगी।

दोनों आयोजनों को लेकर शहरवासियों में खासा उत्साह है। उज्जैन में दशहरे पर परंपरा के अनुसार लगातार तीन दिनों तक अलग-अलग स्थानों पर रावण के पुतलों का दहन किया जाएगा। शहर की सबसे पुरानी ओम अमरनाथ दशहरा आयोगन समिति ने इस वर्ष 101 फीट ऊंचा वाटरप्रूफ रावण तैयार किया है, ताकि बारिश होने की स्थिति में भी दहन के



आयोजन में बाधा न आए। समिति की ओर से दिवंगत ओम अमरनाथ खत्री की स्मृति में एक लाख रुपये का पुरस्कार भी प्रदान किया जाएगा।

पुरस्कार वितरण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी प्रस्तावित है। विजयादशमी के अवसर पर भगवान श्री महाकालेश्वर की पारंपरिक सवारी अपराह्न 4 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभा मंडप से शुरू होगी। मंदिर के मुख्य द्वार पर मध्यप्रदेश सशस्त्र पुलिस बल भगवान श्री मनमहेश जी को सलामी देगा।

उज्जैन में परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम : 3 दिन होगा रावण दहन, भव्य रूप में निकलेगी बाबा महाकाल की सवारी

उज्जैन (एजेंसी)

केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि बांग्लादेश, नेपाल या श्रीलंका की तरह भारत में अचानक सत्ता परिवर्तन नहीं हो सकता है। मुंबई में रामदास आठवले ने बातचीत में कहा कि आरएसएस प्रमुख के तौर पर मोहन भागवत ने नागपुर से देश को संबोधित करते हुए महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र में लोगों को विरोध करने का अधिकार तो है, लेकिन बांग्लादेश की तरह आंदोलन के जरिए सत्ता बदलने की कोशिश हमारे देश में संभव नहीं है।

हमारे पास डॉ. बीआर अंबेडकर का संविधान है। बांग्लादेश, नेपाल या श्रीलंका की तरह भारत में अचानक सत्ता परिवर्तन नहीं हो सकता। हमारे देश में राजनीतिक बदलाव तभी होता है, जब कोई पार्टी सरकार बनाने के



लिए मतदाताओं से जनादेश और बहुमत हासिल करती है। केवल विरोध-प्रदर्शन के जरिए किसी सरकार को नहीं पलटा जा सकता। आंदोलन करने वालों को शांति से आंदोलन करना चाहिए, गलत विषय पर आंदोलन करने से कुछ नहीं होगा। राहुल गांधी लोगों में भ्रम फैला रहे हैं, यह ठीक नहीं है। सीजेपी नीट के लिए स्थापित हुई थी, जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ और धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हुआ। इसके साथ ही साथ पेपर लोक मामले में कठोर कानूनी भी

बनाया गया था। भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार समझौता के बारे में आठवले ने कहा कि मुझे लगता है कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुआ व्यापार समझौता बहुत महत्वपूर्ण है। यह समझौता दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने और बेहतर बनाने का काम करेगा। इससे कई बेरोजगार लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में भी मदद मिलेगी। न्यूजीलैंड में बहुत से भारतीय रहते हैं। इसके अलावा, इस व्यापार समझौते का बहुत बड़ा महत्व है और

इससे दोनों देशों को फायदा होगा, इससे मुझे बहुत का स्वागत करता हूं। इस तरह के समझौते सभी देशों के साथ होने चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राजत के 'एक्स' पोस्ट पर उन्होंने कहा कि यूरोप में आंदोलन चल रहा है। सरकार की ओर से ठीक फैसले नहीं लिए गए, वहां हिंसक आंदोलन चल रहा है। संजय राजत ने कहा कि कोर्ट को जलाया गया है, लेकिन भारत में ऐसा नहीं हो सकता है। वे सत्ता से बाहर हैं, इसलिए भ्रम पैदा कर रहे हैं।

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में अश्विन शुक्ल पक्ष की विजयादशमी तिथि पर मंगलवार सुबह 4 बजे हुई भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन-अभिषेक कर आकर्षक श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल को भस्म रमाई गई। इस दौरान भक्तों ने दिव्य दर्शनों का लाभ लिया और 'जय श्री महाकाल' के उद्घोष से मंदिर परिसर गुंज उठा। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि अश्विन शुक्ल पक्ष की विजयादशमी तिथि पर बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया। भस्म आरती के लिए सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलते ही पुजारीगण ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की



प्रतिमाओं का पूजन किया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया गया और दूध, दही, घी, शक्कर तथा फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कर्पूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंडमाला धारण कराई गई। विजयादशमी पर बाबा महाकाल के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि उनका भांग से श्रृंगार किया गया।

एशियन पैरा गेम्स : सृष्टि अरोड़ा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में जीता ब्रॉन्ज मेडल

नागोया (एजेंसी)

भारत की सृष्टि अरोड़ा ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में अपने पदार्पण पर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच 1 स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। मंगलवार को हुए फाइनल में उन्होंने 214.7 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय शूटर ने ईरान की फैजेह अहमदी (जिन्होंने 237.3 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता) और उन्ही की हमवतन सोरह जवानमदी (जिन्होंने 237.0 अंकों के साथ सिल्वर मेडल जीता) के बाद पोंडियम पर अपनी जगह बनाई। शीर्ष दो स्थानों के लिए हुए कड़े मुकाबले में ईरानी निशानेबाज, भारतीय खिलाड़ी से आगे रही। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पैरा शूटिंग के क्षेत्र में भारत के पदकों की संख्या में सृष्टि अरोड़ा के इस पदक से और इजाफा हुआ है।

फाइनल में शामिल एक अन्य भारतीय खिलाड़ी सुमेधा पाठक 111.4 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रही। एशियन पैरा गेम्स 2026 में शूटिंग में भारत के लिए यह चौथा मेडल है। इससे पहले मंगलवार को, मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच 1 स्पर्धा में



सिल्वर मेडल जीता और लॉस एंजिल्स पैरालंपिक 2028 के लिए अपना कोटा पक्का किया। सोमवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 स्पर्धा में मोना अग्रवाल पहले और अर्वनि लेखरा दूसरे स्थान पर रही। एसएच 1 वर्गीकरण में ऐसे एथलीट शामिल होते हैं जिनके ऊपरी या निचले अंगों में कुछ शारीरिक अक्षमताएं होती हैं, लेकिन वह अपनी बंदूक को स्वतंत्र रूप से संभाल सकते हैं और उन्हें बंदूक का वजन उठाने के लिए किसी शूटिंग स्टैंड की आवश्यकता नहीं होती है। मोना ने 250 का स्कोर बनाकर एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड कायम

आईसीसी ने आचार संहिता का उल्लंघन करने पर शेफाली वर्मा को लगाई फटकार, एक डिमेरिट प्वाइंट भी थमाया



दुबई (एजेंसी)

भारतीय बल्लेबाज शेफाली वर्मा को रविवार को रायपुर में जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे महिला टी20 इंटरनेशनल मैच के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की आचार संहिता तोड़ने के लिए आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई है। यह घटना जिम्बाब्वे की पारी के 12वें ओवर में हुई, जब श्री चरणी की गेंद पर शेफाली ने मिड-ऑफ पर चिपो मुगुरी-तिरिपानो का कैच छेड़ दिया। इस मौके को गंवाने से निराश होकर भारतीय बल्लेबाज ने गेंद को जमीन पर दे मारा, जिसके बाद मैच

अधिकारियों ने उन पर 'लेवल 1' का अपराध दर्ज किया। शेफाली वर्मा को आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इस नियम के तहत इंटरनेशनल मैच के दौरान क्रिकेट के साजो-सामान, कपड़े, मैदान के उपकरणों या अन्य चीजों के साथ दुर्व्यवहार करना आता है। इस वजह से 22 वर्षीय शेफाली के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ दिया गया है। पिछले 24 महीनों में यह उनका पहला ऐसा उल्लंघन है। शेफाली ने अपनी गलती मान ली और आईसीसी इंटरनेशनल पैरल ऑफ मैच रेफरी की सदस्य जी.एस. लक्ष्मी द्वारा तय की गई सजा को स्वीकार कर लिया, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर वृंद राठी और गायत्री वेणुगोपालन, थर्ड अंपायर अन्ना हैरिस और फोर्थ अंपायर जननी नारायणन ने यह आरोप लगाया था।

यूसुफ पठान को मिली बड़ी राहत, विवादित प्लॉट आवंटित करने के लिए राज्य सरकार ने दी मंजूरी

वडोदरा (एजेंसी)

भारत के पूर्व क्रिकेटर और लोकसभा सांसद यूसुफ पठान को गुजरात सरकार से बड़ी राहत मिली है। जिस प्लॉट को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था, उसे सरकार ने यूसुफ को अर्वाटित करने की मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार ने तांदलजा क्षेत्र में स्थित 978 वर्ग मीटर के प्लॉट, जिसकी कीमत 20.53 करोड़ रुपये है, उसको यूसुफ को अर्वाटित करने की हरी झंडी दी है। कुल 978 वर्ग मीटर जमीन में से 500 वर्ग मीटर जमीन यूसुफ पठान को आवस्यीय उद्देश्य से नि:शुल्क उपहार के रूप में दी जाएगी।

शेष 478 वर्ग मीटर जमीन निर्धारित मूल्य पर 45 प्रतिशत की छूट के साथ हस्तांतरित की जाएगी। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय केवल विशेष मामले के रूप में लिया गया है और इसे भविष्य के लिए



मिसाल नहीं माना जाएगा। राजस्व विभाग इस जमीन के मूल्य के बराबर दूसरी जमीन वडोदरा महानगरपालिका (वीएमसी) को मुआवजे के रूप में आवंटित करेगा। प्लॉट आवंटन को लेकर वडोदरा महानगरपालिका की स्थायी समिति और सामान्य सभा की मंजूरी के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इस विवादित प्लॉट के पास ही

पठान परिवार का घर स्थित है। गौरतलब है कि यूसुफ हाल ही में तुणफू कोंग्रेस पार्टी की छेड़कर नेशनलिस्ट न्पर्टजिन्स पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हुए हैं।

साल 2012 में यूसुफ पठान ने वडोदरा नगर निगम (वीएमसी) से बिना नीलामी के एक प्लॉट 99 साल की लीज पर देने की मांग की थी।

अपने आवेदन में उन्होंने पूर्व क्रिकेटर होने और सुखा कारणों का हवाला दिया था। वीएमसी ने इस प्रस्ताव पर सहमति भी जता दी थी और उस समय प्लॉट की कीमत करीब 5.6 करोड़ रुपये आंकी गई थी, जिसे चुकाने के लिए पठान तैयार थे। हालांकि, बिना नीलामी के जमीन आवंटित करने के लिए राज्य सरकार की मंजूरी जरूरी थी।

बाद में 2014 में गुजरात के शहरी विकास विभाग ने इस प्रस्ताव को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इसके बावजूद नगर निगम का आरोप था कि प्रस्ताव रद्द होने के बाद भी पठान ने जमीन के चारों ओर भेराबंदी कर ली थी। इसके बाद 2024 में नगर निगम ने कथित अतिक्रमण हटाने के लिए पठान को नोटिस जारी किया। इस कार्रवाई को चुनौती देते हुए उन्होंने गुजरात हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

साल 2012 में यूसुफ पठान ने वडोदरा नगर निगम (वीएमसी) से बिना नीलामी के एक प्लॉट 99 साल की लीज पर देने की मांग की थी।



दिसंबर तक तीनों फॉर्मेट में एक-दूसरे का सामना करेंगी। भारत के इस दौर के कार्यक्रम में 5 टी20 इंटरनेशनल, 5 वनडे और 2 टेस्ट मैच शामिल हैं। दौर की शुरुआत सबसे छोटे फॉर्मेट (टी20) से होगी, इसके बाद 50

ओवर की सीरीज खेली जाएगी और अंत में टेस्ट मैच होगा। टी20 इंटरनेशनल सीरीज 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक चलेगी, जिसके मैच क्राइस्टचर्च, वेलिंग्टन, ऑकलैंड और हैमिल्टन में खेले जाएंगे। इसके बाद 4

से 15 नवंबर तक 5 मैचों की वनडे सीरीज होगी। फिर दोनों टीमों टेस्ट मैचों के लिए आमने-सामने होंगी - पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंग्टन में और दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। इस दौर के जरिए भारत के सामने कई लक्ष्य हैं। वनडे सीरीज आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारी के लिए काफी अहम होगी, जबकि टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की भारत की कोशिशों के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण हैं। भारत ने तीनों फॉर्मेट के लिए खिलाड़ियों का एक बड़ा दल तैयार किया है, जिसमें कप्तानी की जिम्मेदारी शुभमन गिल

और श्रेयस अय्यर के बीच बांटी गई है। गिल पहले 3 वनडे और टेस्ट टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि अय्यर टी20 इंटरनेशनल टीम की कमान संभालेंगे और आखिरी 2 वनडे मैचों में भी कप्तान होंगे। टीम के चयन से उभरते हुए खिलाड़ियों को भी मौका मिला है। विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र और तेज गेंदबाज यश ठाकुर को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है, जो आखिरी 2 मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा, आकाश दीप और अंशुल कंबोज की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है। भारत के लिए यह दौरा महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

गार्डनर का ऑलराउंडर प्रदर्शन, न्यूजीलैंड को 40 रन से हराकर ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर जमाया कब्जा

सिडनी (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ नॉर्थ सिडनी ओवल में खेले गए टी20 सीरीज के दूसरे मैच को 40 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का पहला मुकाबला 2 विकेट से अपने नाम किया था। इसके बाद दूसरा टी20 भी जीतकर मेजबान टीम ने सीरीज पर अपना कब्जा जमा लिया है। सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच इसी मैदान पर 22 अक्टूबर को खेला जाना है। सिडनी में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 167 रन बनाए। इस टीम ने 41 रन तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद बेथ मूनी ने एशले गार्डनर के साथ चौथे विकेट के लिए 35 गेंदों में 60 रन जुटाकर टीम को शतक के पार पहुंचा दिया।

मूनी 28 गेंदों में 6 चौकों के साथ 39 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद एशले गार्डनर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने जॉर्जिया वेयरहैम (3), एनाबेल सदरलैंड (10) और निकोला कैरी (नाबाद 5) के साथ छेटी-छेटी साझेदारियां करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। गार्डनर 45 गेंदों में 4 छकों और 10



चौकों के साथ 84 रन बनाकर आउट हुईं। विपक्षी खेमे से जेस केर और नेंसी पटेल ने 2-2 विकेट चटकाए, जबकि झी इलिंग और अमेलिया केर ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 127 रन ही बना सकी। इस टीम को 10 रन के स्कोर पर जॉर्जिया प्लिमार (6) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद कप्तान अर्मेनिया केर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने फ्लोरा डेवोनशायर (12) के साथ दूसरे विकेट के लिए 26 रन, जबकि मैडी ग्रीन (26) के साथ तीसरे

विकेट के लिए 41 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। आलम ये रहा कि 99 के स्कोर तक 6 विकेट गिर गए। हालांकि, ब्रुक हॉलिडे ने पॉली ईंग्लिस के साथ सातवें विकेट के लिए 12 गेंदों में 23 रन जोड़े, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सकी। मेजबान खेमे से जॉर्जिया वेयरहैम ने 18 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट निकाले, जबकि एशले गार्डनर ने 3 ओवरों में 17 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। किम गार्थ और लुसी हैमिल्टन को 1-1 विकेट हाथ लगा।

चोट के कारण निंगबो ओपन में हिस्सा नहीं लेंगी इगा स्वियातेक

नई दिल्ली (एजेंसी) छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने निंगबो ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। इसके साथ ही वह डब्ल्यूटीए फाइनल्स में पहुंचने की रस से भी बाहर हो गई हैं। स्वियातेक ने यह फैसला अपनी जांघ की चोट के कारण लिया है। उन्हें यह चोट वुहान ओपन के सेमीफाइनल में अपनी ही देश की खिलाड़ी माजा च्वालिनस्का के खिलाफ खेलते समय लगी थी। इस फैसले के साथ ही पोलैंड की इस खिलाड़ी के लिए डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सीधे क्वालीफाई करने की संभावनाएं खत्म हो गई हैं। अब उनके पास साल के अंत में होने वाले इस टूर्नामेंट में खेलने का एकमात्र तरीका यह है कि वह एक वैकल्पिक खिलाड़ी के तौर पर इसमें शामिल हों। 2023 की डब्ल्यूटीए फाइनल्स विजेता स्वियातेक, फिलहाल साल के अंत में होने वाले टूर्नामेंट की रस में 9वें स्थान पर हैं। क्वालीफिकेशन के लिए अब केवल एक ही जगह बची है। स्वियातेक के साथ इस जगह के लिए चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा भी रस में थीं, जो फिलहाल सातवें स्थान पर हैं। निंगबो ओपन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के अनुसार, स्वियातेक ने कहा, 'काफी सोच-विचार के बाद मैंने इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। पिछले कुछ हफ्तों से मुझे अपनी जांघ में लगातार परेशानी हो रही है। मुझे लगता है कि खुद को आराम देने और ठीक होने के लिए समय देना ही सही फैसला है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं यहां खेलने के लिए बहुत उत्साहित थी। मैं टूर्नामेंट के आयोजकों और उन सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहती हूं जो मुझे खेलते हुए देखना चाहते थे।

एशियन पैरा गेम्स : तैराकी में हिमांशु नंदन ने पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस11 स्पर्धा में जीता ब्रॉन्ज मेडल

नागोया (एजेंसी) भारतीय तैराक हिमांशु नंदन ने मंगलवार को यहां एशियन पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस11 स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने 5 मिनट 10.91 सेकंड का समय निकालकर पोंडियम पर अपनी जगह बनाई। इस स्पर्धा में कुल चार तैराक शामिल थे। हरियाणा के रोहतक के रहने वाले 22 वर्षीय हिमांशु नंदन ने अपने पैरा-तैराकी करियर में एक और उपलब्धि जोड़ी है। इससे पहले वे एक स्पर्धा में मेडल जीतने से बहुत कम अंतर से चूक गए थे, लेकिन इस बार उन्होंने पूल में अपनी बेहतरीन सहनशक्ति का प्रदर्शन किया। सोमवार को, नंदन पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक एस11 प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे थे। ऑप्टिक नंद (दृष्टि तंत्रिका) की खराबी के कारण जन्म से ही दृष्टिहीन, नंदन ने भारत के होनहार दृष्टिबाधित तैराकों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई है। एस11 क्लासिफिकेशन उन एथलीटों के लिए होता है जिनकी दृष्टि लाभांग पूरी तरह से चली गई हो। ऐसे में उनका यह हालिया प्रदर्शन उनके खेल करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। नंदन के खेल करियर की शुरुआत तैराकी से नहीं हुई थी। उन्होंने सबसे पहले जुड़ो में हाथ आजमाया और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मेडल भी जीते। इसके बाद 2021 में उन्होंने तैराकी की ओर रुख किया। यह बदलाव उनके लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ। घरेलू चैंपियनशिप में उनके शानदार प्रदर्शन ने उन्हें एक ऐसे तैराक के रूप में स्थापित कर दिया, जिस पर सबकी नजरें टिकी रहती हैं।

एशियन पैरा गेम्स : मॅस डिस्कस थो एफ 51/52/53 इवेंट में ‘डबल धमाल’, सूरमा ने जीता गोल्ड, राम रतन को मिला सिल्वर

नागोया (एजेंसी) एशियन पैरा गेम्स 2026 में, मंगलवार को पुरुषों के डिस्कस थ्रो (एफ51/52/53) इवेंट में भारत के प्रणव सूरमा और राम रतन सिंह ने क्रमशः पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। सूरमा ने 11.66 मीटर की दूरी के साथ एशियन रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। सूरमा ने अपने चौथे प्रयास में यह रिकॉर्ड बनाया। उन्हें 932 'रजा प्लाईट्स' मिले, जिससे वे पोंडियम पर शीर्ष स्थान पर रहे। राम रतन ने 10.35 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीता। उन्हें 809 'रजा प्लाईट्स' मिले। इस तरह भारत के लिए यह एक यादगार उपलब्धि रही, जहां देश के दो खिलाड़ियों ने पोंडियम पर जगह बनाई।

अटल की शतकीय पारी, राशिद का चला जादू, अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 158 रनों से रौंदा

अबू धाबी (एजेंसी)

अफगानिस्तान ने वनडे ट्राई सीरीज के दूसरे मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को 158 रनों से रौंदा। अफगानिस्तान से वॉर्नले 295 रनों के लक्ष्य का पीछ करते हुए जिम्बाब्वे की पूरी टीम सिर्फ 136 रन बनाकर ऑलआउट हुई। लक्ष्य का पीछ करने उतरी जिम्बाब्वे टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वेन करन बिना खाता खोलें फजलहक फारूकी का शिकार बने। इसके बाद ताकदजवा त्सिगा भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हुए। ब्रेंडन टेलर



अनलकी रहे और सिर्फ एक रन बनाकर रनआउट हुए। ब्रायन बेनेट 40 रनों में 31 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। कप्तान सिक्दर रजा अच्छे लय में दिखाई दिए, लेकिन वह बढ़िया शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और 48 रन बनाकर आउट हुए। रयान बर्ल 63 गेंदों का सामना करने के बाद 31 रन बनाकर आउट हुए, जबकि वेस्ली माधेवेरे 5 रन ही बना सके। ब्रैंड

**माही विज ने रिश्तों पर तोड़ी चुप्पी,
कहा- हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं हूं**



विजय बाँस-20 के साथी प्रतियोगी काजी तौकीर ने जब एक्स्ट्रेस माही विजय से उसकी प्रेम कलनी के बारे में मजाकिया अंदाज में पूछा कि क्या कोई उन्हें संपर्क कर सकता है तो माही विजय सफाई गई। काजी ने माही से पूछा कि क्या कोई भी उनसे संपर्क कर सकता है। जवाब में, अभिनेत्री ने कहा, 'नहीं, कोई मुझसे संपर्क नहीं कर सकता।' मैं सबके लिए उपलब्ध नहीं हूँ। इसके बाद काजी ने माही से और जानकारी लेने की कोशिश की, यह जताते हुए कि शायद वह कुछ चुनिंदा लोगों में ही दिलचस्पी रखती हैं। उन्होंने माही को तीन-चार लोगों को चुनने पर चिढ़ाया और पूछा कि क्या कोई उसे शादी का प्रस्ताव दे सकता है। काजी के लगातार मजाक उठाने पर माही मुस्कुराती और शांति नज़ आई। उन्होंने पूछा कि उसके पास कितने विलक्षण हैं, यह इशारा करते हुए कि उसकी प्रतिक्रिया से शायद यह पता चलता है कि उसकी जिंदगी में कोई खास है या उसे किसी का ध्यान मिल रहा है, हालांकि माही ने किसी में दिलचस्पी होने की बात स्वीकार नहीं की। उर्दित उस समय उनके आपसपस ही थीं। उन्होंने कहा कि शायद उसका खाया इंसान यह जो देख रहा है। माही और टेलीविजन अभिनेता जय भागुशाली द्वारा जनवरी 2026 में अपने 14 साल के वैवाहिक जीवन के अंत की घोषणा के कुछ महीनों बाद यह हल्की-फुल्की बातचीत हुई है। पूर्व दंपति की एक बेटी तारा है और वे अपने मोटे लिए बच्ची खुशी और राजवीर की परवरिश भी कर रहे हैं। इस बीच, जय भागुशाली ने हाल ही में बताया कि विजय बाँस 20 में माही विजय की भागीदारी ने उन्हें अपनी बेटी तारा के साथ अधिक समय बिताने का अवसर दिया है। इस्टीग्राम पर अपने प्रेसक्रॉस से बातचीत के दौरान अभिनेता ने बताया कि माही की अनुपस्थिति में तारा के साथ अधिक समय बिताने से उनका और तारा के साथ रिश्ता और मजबूत हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि वह माही को पसिलटी शो में जारी रखना चाहते थे, इसके दो कारण थे। पहला, व्यावहृतिक के माही जीते और दूसरा, घर में माही के बिना उन्हें बेटी के साथ अधिक समय बिताने का मौका मिलता। (एजेंसी)

सोशल मीडिया पर क्यों छाई काइली जेनर?: रियलिटी शो से शुरू हुआ करियर

अमेरिकी रियासतों टीवी स्टार और मॉडल काइली जेनर एक बार फिर दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गई हैं। 18 अक्टूबर, 2026 को लॉस एंजेलिस में आयोजित एक फैशन शो में उन्होंने 50 मिलियन डॉलर यानी करीब 440 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाली फैंटेसी ब्रेसियर पहनकर पैप वॉक किया। 29 साल की काइली की इस खास उपस्थिति ने फैशन जगत और सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं। इस खास फैंटेसी ब्रेसियर की कीमत लगभग 50 मिलियन डॉलर बताई गई है। इसे लगभगी ज्वेलरी ब्रांड जेकब एंड कंपनी ने तैयार किया गया है। इसमें 4,410 पत्तिकाएं हैं जो जड़े हैं, जबकि नीचे में 75.54 कैरेट का चमकीला पीला हीरा लगाया गया। इसे तैयार करने में 15 कारीगरों ने 1,000 घंटे से अधिक समय लगाया। इसकी खासियत यह भी है कि इसे पारंपरिक कपड़े के बजाय सोने और हीरों की मदद से ही तैयार किया गया है। वहीं, इसका वजन लगभग 1.8 किलो है। रिपोर्ट के मुताबिक, काइली की लोकप्रियता सिर्फ फैशन या टेलीविजन तक सीमित नहीं है। वह पाॅप कल्चर और सोशल मीडिया की प्रभावशाली हस्तियों में शामिल हैं। ब्रांड का मानना है कि काइली की मौजूदगी फैशन शो की एक बड़े मनोरंजन आयोजन के रूप में पेश करने में मदद करती

है। काइली जेनर का जन्म 10 अगस्त, 1997 को कैलिफोर्निया में हुआ था। वह महारू कार्डशियन-जेनर परिवार का हिस्सा है। उन्हें शुरूआती पहचान परिवार के रियलिटी शो 'कीपिंग अप विद द कार्डशियन्स' से मिली। इस शो ने उन्हें कम उम्र में ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय बना दिया। अपनी के साथ काइली ने सम्यक पहचान को सिर्फ रियलिटी टीवी तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी मजबूत मौजूदगी बनाई और फैशन, मेकअप तथा लाइफस्टाइल से जुड़ी दुनिया में अपनी अलग जगह बनाई। काइली के करियर का सबसे अहम पड़ाव उनका कॉन्सेप्टिक्स कारोबार रहा। साल 2015 में उन्होंने काइली लिप किट्स के नाम से अपना ब्यूटी प्रोडक्ट कारोबार शुरू किया, जो बाद में काइली कॉन्सेप्टिक्स के रूप में विकसित हुआ। उनके ब्रांड को सोशल मीडिया पर पहले से मौजूद लोकप्रियता का बड़ा फायदा मिला। उनके मेकअप प्रोडक्ट्स की मांग और ब्रांड की व्यावसायिक सफलता ने उन्हें कम उम्र में ही एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित किया। बाद में उन्होंने अपने कारोबार का विस्तार करते हुए स्किनकेयर और अन्य ब्यूटी प्रोडक्ट पर भी ध्यान दिया। काइली जेनर की लोकप्रियता के पीछे उनकी सोशल मीडिया रणनीति की अहम भूमिका है। (एजेंसी)



‘सिर्फ रावण नहीं, अपने अंदर के अहंकार का भी करें अंत’, हेमा मालिनी, करीना समेत सितारों ने दी दशहरे की बधाई

दशहरे के मौके पर फ़िल्मी सितारों ने भी अपने पैसों को शुभकामनाएं दीं और बुवाई पर अच्छई की जीत का संदेश दिया। हेमा मालिनी, अनिल कपूर, करीना कपूर खान, माधुरी दीक्षित और ईशा कपूर (किफ़ायत से) सितारों ने सोशल मीडिया पर दशहरे की बधाई दी। किसी ने भवान राम की राखण पर जीत को याद किया, तो किसी ने लोगों से अपने अंदर छिपे अहंकार और गुस्से को खत्म करने की अपील की। वहीं, अभिनेत्री समीर रेड्डी ने अपने घर में दशहरे के जयन्ती की जलक दिवाली। अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी ने दशहरे के मौके पर अपने संदेश में लोगों को बुवाई पर अच्छई की जीत का महत्व

समझाया। उन्होंने लिखा, 'सभी को दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, बुराई पर अशुभ की जीत का जयन मनाएं, जैसे हमने भगवान राम की राखण पर जीत या मां दुर्गा की दुष्ट महिषासुर पर जीत का जयन मनाया। आइए, अपने अहंकार और सभी नकारात्मक विचारों को अपने जीवनी से विदा करें और अपने वाली पीढ़ियों के लिए इस दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने पर ध्यान दें।' वहीं, अभिनेता अनिल कपूर ने भी अपने फैंस को दशहरा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'दशहरा की हार्दिक शुभकामनाएं।' अभिनेत्री जमीरा खैरुन ने अपने घर में दशहरा के समारोह की प्यारी झलक

दिखाई। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने बेड़े हंस और बेटी न्यारा की एक तस्वीर साझा की। तस्वीरों में हंस तस्वीर पर चक्कर गोलों की बनावट दिखाई दिए जबकि न्यारा उनकी मदद करती दिखाई। दोनों ने न्यारा-बिंदो रांसे से जमीन पर 'हैप्पी दशहरे' लिखा। इस तस्वीर के साथ सभी ने लिखा, 'आप सभी को इसकी शुभकामनाएं।' अभिनेत्री इशा कोपिकर ने भी दशहरे पर लोगों को एक खास संदेश दिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'जाते हैं, पर अपने अंदर छुपे सिर पहचान पाना ही असली चुनौती है। इस बार सिर खणन का नहीं बल्कि अंदर झाँ, गुस्से और अहंकार का भी अंत करो।'

अभिनेत्री करीना कपूर खान ने भी अपनी स्टर्लिंगम स्टेरी पर एक तस्वीर सजे कर दशहरा की बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'एक याद दिलाने वाली बात कि अच्छई हमेशा बुराई पर जीत हासिल करती है। अभिनेत्री शुभकामनाएं।' वहीं, अभिनेत्री माधुरी दिक्षित ने भी अपने फैंस को त्वरित कर दिया। उन्होंने लिखा, 'अच्छई की बुराई पर जीत का प्रतीक, विजयदशमी। उस दिव्य मां के आशीर्वाद से हर हर खुशियों और आनंद से भर जाएं और आपके हर अच्छे काम में सफलता मिले।' दिल से यही कामना करते... (एजेंसी)

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते से इंजीनियरिंग निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद : उद्योग

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से भारत के इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए नए अवसर खुलने की उम्मीद है। अगले पांच वर्षों में न्यूज़ीलैंड को भारत का इंजीनियरिंग निर्यात दुगुना होने का अनुमान है। यह जानकारी ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष पंकज चड्ढा की ओर से दी गई।



चट्टी ने कहा कि न्यूजिलैंड भारतीय इंजीनियरिंग वस्तुओं के लिए अपेक्षाकृत छोटा बाजार है, लेकिन इसमें विकास की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने व्यापार समझौते से पैदा होने वाले अवसरों को लेकर भी आशानाव रख जताया। उन्होंने कहा, भारत-न्यूजिलैंड एफटीए आज लागू हो गया है, जिससे इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए नए अवसर खुल गए हैं। भारतीय इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए

न्यूजिलैंड अपेक्षाकृत छोटा बाजार है, लेकिन इसमें काफी संभावनाएँ हैं। भारत का न्यूजिलैंड को इंजीनियरिंग निर्यात 2024-25 में 12.98 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2025-26 में 14.05 करोड़ डॉलर हो गया। एफटीए लागू होने से भारतीय निर्माताओं को इस बाजार में नए अवसर तलाशने में मदद मिलेगी, जिससे निर्यात को और गति मिलने की उम्मीद है। भारत से न्यूजिलैंड को निर्यात की जाने वाली

प्रमुख इंजीनियरिंग वस्तुओं में ऑटोमोबाइल, डेयरी क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाली औद्योगिक मशीनरी, चिकित्सा एवं वैज्ञानिक उपकरण, कार्यालय संबंधी उपकरण एवं लोहा और इस्पात उत्पाद शामिल हैं।

चड्ढा ने कहा कि यह समझौता भारतीय इंजीनियरिंग निर्यातकों, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में

विविधता लाने और न्यूजीलैंड के बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के अवसर पैदा करेगा। उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड के साथ एफटीए इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों, विशेष रूप से एमएसएमई को अपने उत्पाद पोर्टफोलियो में विविधता लाने का अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने आगे कहा कि न्यूजीलैंड के साथ इंजीनियरिंग व्यापार संबंध मजबूत होने से वर्ष 2030 तक न्यूजीलैंड को 250 अरब डॉलर के इंजीनियरिंग निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की व्यापक महत्वाकांक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा। ईईपीसी इंडिया को उम्मीद है कि अगले पांच वर्षों में न्यूजीलैंड के भारत का इंजीनियरिंग निर्यात बढ़कर 28-30 करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा। यह 2025-26 में दर्ज निर्यात के स्तर से लगभग दोगुना होगा।

कॉग्निजेंट और गूगल क्लाउड ने एजेंटिक एआई के लिए साझेदारी का विस्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)



संबन्धी विशेषज्ञता एवं इंजीनियरिंग क्षमताओं को एक साथ लाएगा।

इसका उद्देश्य कंपनियों को एआई परियोजनाओं को शुरूआती परीक्षण से आगे बढ़ाकर वास्तविक व्यावसायिक परिचालन में लागू करने में मदद करना है। यह पहल कॉग्निजेंट की ओर से अप्रैल, 2026 में शुरू की गई विशेष

जैमिनी इकाई को आगे बढ़ाएगी। इसके तहत वैश्विक कंपनियों के लिए सुरक्षित, भरोसेमंद और बड़े स्तर पर इस्तेमाल किए जा सकने वाले एआई एजेंट विकसित किए जाएंगे, जो व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेंगे।

कॉगिनजेंट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रवि कुमार एस ने कहा कि इस विशेष समूह की स्थापना से कंपनी के अग्रणी इंजीनियरिंग विशेषज्ञ ग्राहकों के लिए अत्याधुनिक एआई प्रौद्योगिकी को वास्तविक परिचालन में लागू करने पर ध्यान केंद्रित कर सकेगे।

सोने-चांदी में मजबूती, 1 साल में गोल्ड ने 25% तो सिल्वर ने 45% का दिया रिटन

नई दिल्ली (एजेंसी)



पर सोमवार को दिसंबर डिलीवरी 2,09,825 रुपए प्रति किलोग्राम पर
वाला सोना 618 रुपए यानी 0.42
प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुई। हालाँकि भौतिक बाजार में
सोने और चांदी की कीमतें अभी भी
1,47,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ऊँचे स्तर पर बनी हुई हैं। मुंबई में 24
वर्त हुआ था। वहीं दिसंबर डिलीवरी कैरेट सोने का भाव 1,47,340 रुपए
वाली चांदी लगभग स्थिर रहकर प्रति 10 ग्राम और 2,47,302 सोने का

2,09,825 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। हालांकि भौतिक बाजार में सोने और चांदी की कीमतें अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं। मुंबई में 24 कैरेट सोने का भाव 1,47,340 रुपए प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने का

भाव 1,35,062 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। वहीं आपको बता दें कि दशहरा के मौके पर कीमती धातुओं में निवेश करने वालों के लिए पिछले एक वर्ष का प्रदर्शन काफी मजबूत रहा है। बाजार के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दशहरा से अब तक सोने की कीमतों में 25 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। वहीं चांदी ने सोने से भी बेहतर प्रदर्शन कर दिया करीब 45 प्रतिशत तक की रिकॉर्ड हिट है।

यही कारण है कि आर्थिक अनिश्चितता के दौर में निवेशकों का रुझान अभी भी कीमती धातुओं की ओर बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हालांकि सोना दबाव में बना हुआ है। स्पॉट गोल्ड करीब 4,144 डॉलर प्रति औंस और स्पॉट सिल्वर 57.44

डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण महंगाई बढ़ने की चिंता और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संपातित बढ़ती दरों की आशंका ने सोने पर दबाव बनाए रखा है। अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी और टेक्नोलॉजी शेयरों में सुधार के कारण निवेशकों की समुचित निवेश की मांग भी कुछ कम हुई है।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अक्टूबर में सोना लगातार 4,100 डॉलर प्रति औंस के ऊपर बना हुआ है, जो इसकी मजबूती को दर्शाता है। हालाँकि बाजार अभी भी इस संभावना को मजबूत मान रहा है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व वर्ष के अंत तक एक और ब्याज दर वृद्धि कर सकता है।